DAINIK JAGRAN
MUZAFFARPUR
DATE:04.09.2024
PAGE-02

जंगल-झाड़ी साफ कर पार्क का होगा निर्माण

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन और एचआरडीसी के बीच वाले हिस्से में उगे झाड़-झंखाड़ को साफ कर उसे पार्क के रूप में विकसित किया जाएगा। रामेश्वर कालेज, एलएनटी कालेज समेत अन्य कालेजों के एनएसएस व एनसीसी कैडेट्स से इस कार्य में सहयोग लिया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन के निर्देश पर कैंपस को क्लीन एंड ग्रीन कैंपस के रूप में विकसित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसमें पेवर ब्लाक बिछाया जाएगा। साथ ही पार्क में औषधीय पौधे भी लगाए जाएंगे। मंगलवार को एलएनटी कालेज के प्राचार्य डा.अभय कुमार सिंह, पीजी बाटनी विभागाध्यक्ष प्रो.रंजना कुमारी, पीजी मैथिली विभागाध्यक्ष प्रो.इंदुधर झा, डा.नीलम कुमारी व डा.कौशल झा ने विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन से लेकर मानविकी और सोशल साइंस ब्लाक का निरीक्षण किया। तय हुआ कि कैंपस को क्लीन एंड ग्रीन कैंपस बनाया जाएगा। सोशल साइंस और मानविकी विभाग में जंगल उगे हैं।

DAINIK JAGRAN
MUZAFFARPUR
DATE:04.09.2024
PAGE-02

अब पीएचडी की मौखिकी में उपस्थित रहेंगे सभी डीन

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में अब नई व्यवस्था लागू होगी। अब पीएचडी के लिए होने वाली मौखिकी में सभी संकायाध्यक्षों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। कुलपति प्रो. डीसी राय के निर्देश पर परीक्षा विभाग की ओर से इसका नोटिफिकेशन जारी किया गया है। बताया गया है कि अब तक होने वाले पीएचडी वायवा में सभी संकायाध्यक्ष उपस्थित नहीं होते थे। वहीं अब विश्वविद्यालय में होने वाले हर वायवा में कुलपति प्रो. डीसी राय उपस्थित होकर शोधार्थी से प्रश्न भी पूछते हैं। यह व्यवस्था पहली बार विश्वविद्यालय स्तर पर लागू की गई है। अब संकायाध्यक्षों की उपस्थिति भी अनिवार्य किया गया है।

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR
DATE-04.09.2024, PAGE-02

अपार आइडी पर होगी आधार की ही तस्वीर

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के स्नातक से लेकर पीजी कोर्स में नामांकित छात्र-छात्राओं के लिए तैयार हो रही अपार (एबीसी) आइडी पर उनके आधार कार्ड की ही तस्वीर होगी। एबीसी आइडी बनाने के लिए छात्र-छात्राओं के आधार नंबर का ही इस्तेमाल होना है। पीजी विभागों से लेकर कालेजों में छात्र-छात्राओं ने एबीसी आइडी तैयार करनी शुरू कर दी है। यह आंकड़ा तीन हजार के पार जा चुका है। जल्द ही विश्वविद्यालय स्तर पर कार्यशाला होगी। उसमें कालेजों में एबीसी आइडी के लिए बनाए गए नोडल बुलाए जाएंगे। वहीं विश्वविद्याल के स्तर से एबीसी के फायदे व अनिवार्यता को लेकर जानकारी दी जाएगी। कार्यशाला में एक्सपर्ट शिक्षक इस पर व्याख्यान देंगे। बताया जा रहा है कि जल्द ही इसकी बैठक होगी। विश्वविद्यालय के स्तर से रूपरेखा तैयार की जा रही है। अपार आइडी में हर छात्र को 12 अंकों का यूनिक नंबर जारी किया जाता है। इससे उसके खाते की पहचान होगी। शिक्षा विभाग की ओर से 25 दिसंबर तक छात्र-छात्राओं की एबीसी आइडी तैयार कराने का निर्देश दिया गया है। बताते हैं कि इससे पहले ही विश्वविद्यालय इस कार्य को पूरा कर लेगा। योजना है कि सबसे पहले पीजी विभागों में नामांकित छात्र-छात्राओं की आइडी तैयार कराई जाए।

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR
DATE:04.09.2024, PAGE-02

शोध पत्र का प्रकाशन करा चुके शिक्षकों को मिलेगा सम्मान

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर : बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के स्तर से शिक्षकों की सूची तैयार की जा रही है। जनवरी 2023 से अगस्त 2024 तक क्यू वन और क्यू टू जर्नल में प्रकाशित शोध के लिए शिक्षकों को यह सम्मान दिया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय की ओर से सभी कालेजों से लेकर पीजी विभागों के शिक्षकों से आवेदन मांगा गया था। इसमें दिए गए अवधि के दौरान कम से कम एक रिसर्च पेपर का प्रकाशन होना जरूरी है। इस आधार पर 31 अगस्त तक कुल 60 शिक्षकों ने आवेदन किया था। इस आधार पर मंगलवार तक 18 शिक्षकों को शार्ट लिस्टेड किया गया है।

बताया जा रहा है कि बुधवार तक सूची को अंतिम रूप प्रदान कर दिया जाएगा। बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डीसी राय ने पिछले दिनों सीनेट हाल में यह घोषणा की थी

शिक्षक दिवस पर विश्वविद्यालय करेगा सम्मानित, क्यू वन व क्यू टू में जनवरी 2023 से अगस्त 2024 तक शोध का प्रकाशन अनिवार्य

कि क्यू वन और क्यू टू जर्नल में शोध पत्र का प्रकाशन कराने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। इसी क्रम में पहली बार विश्वविद्यालय में इस व्यवस्था को लागू किया जा रहा है। इसी से प्रेरणा लेकर आरडीएस कालेज ने भी शिक्षकों के लिए इसे लागू किया गया है। कालेज की ओर से पुरस्कार भी घोषित किया गया है। दूसरी ओर विश्वविद्यालय में शोध संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए अतिथि शिक्षकों के लिए भी एक वर्ष में कम से कम एक शोध पत्र का प्रकाशन को अनिवार्य बनाया गया है। इसी आधार पर उन्हें अब सेवा विस्तार दिया जाना है। साथ ही कुलपति ने विश्वविद्यालय के नियमित शिक्षकों के प्रमोशन के लिए भी शोध पत्र का प्रकाशन की व्यवस्था को अनिवार्य कर दिया है।

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR
DATE: 04.09.2024, PAGE-02

विश्वविद्यालय का आइआइक्यूए नैक से स्वीकृत, कुलपति गदगद

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय ने नैक मूल्यांकन की दिशा में एक और कदम बढ़ा दिया है। विश्वविद्यालय का आइआइक्यूए नैक की ओर से स्वीकार कर लिया गया है। कुलपति प्रो.डीसी राय ने बताया कि प्रदेश का पहला बीआरए बिहार विश्वविद्यालय है जिसका नैक मूल्यांकन ग्रेडिंग पद्धति में हो रहा है। बताया कि आइआइक्यूए स्वीकृत होने के बाद एसएसआर (सेल्फ स्टडी रिपोर्ट) पोर्टल खुल चुका है। अब 45 दिनों के भीतर विश्वविद्यालय को सभी महत्वपूर्ण जानकारियां पूरे प्रमाण व दस्तावेज के साथ पोर्टल पर अपलोड करनी होंगी। इसको लेकर विश्वविद्यालय की टीम निरंतर कार्य कर रही है।

कुलपति ने बताया कि सात बिंदुओं पर विश्वविद्यालय से संबंधित संपूर्ण विवरणी प्रमाणित दस्तावेज के साथ अपलोड की जाएंगी। पिछले पांच महीने से विश्वविद्यालय एसएसआर

45 दिनों में अब एसएसआर पोर्टल पर प्रमाण के साथ अपलोड होगी हर जानकारी

टीम, संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों, प्राध्यापकों, अधिकारियों, कर्मचारियों ने इसमें योगदान दिया है। इसके लिए कुलपति कार्य में जुटे लोगों व छात्र-छात्राओं, पूर्ववर्ती छात्रों और अभिभावकों को धन्यवाद दिया है। साथ ही उन्होंने नैक मूल्यांकन कार्य में सहयोग की अपील की है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले वर्ष 2015 में विश्वविद्यालय का नैक मूल्यांकन हुआ था।

डा.श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय रांची के साथ हुआ एमओयू: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय ने डा.श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय रांची से एमओयू किया है। समझौता पत्र पर बीआरएबीयू के कुलपति प्रो.डीसी राय व डा.श्यामा प्रसाद मुखर्जी रांची के कुलपति प्रो.तपन कुमार शांडिल्य ने हस्ताक्षर किए हैं।

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR
DATE: 04.09.2024, PAGE-02

विवि को नैक मूल्यांकन के लिए 45 दिनों में सबमिट करना है एसएसआर

मुजफ्फरपुर| बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के नैक मूल्यांकन के लिए आईआईक्यूए स्वीकृत हो गया है। अब 45 दिनों के अंदर एसएसआर सबमिट करना है।

पोर्टल खुल गया है। 7 क्राइटेरिया में विश्वविद्यालय से संबंधित जानकारी देनी है। कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय ने बताया कि बिहार विवि राज्य का पहला विश्वविद्यालय है, जिसका नैक मूल्यांकन ग्रेडिंग सिस्टम में हो रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय की टीम सहित सभी अधिकारियों, शिक्षकों व छात्रों को सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR,
DATE:04.09.2024, PAGE-02

सीनेट चुनाव : उम्मीदवारों की फाइनल लिस्ट जारी, तेज हुआ प्रचार अभियान

मुजफ्फरपुर| बीआरएबीयू में सीनेट चुनाव के लिए उम्मीदवारों की फाइनल लिस्ट मंगलवार को जारी कर दी गई। 12 साल बाद हो रहे सीनेट के शिक्षक प्रतिनिधि के चुनाव के लिए मैदान में 38 उम्मीदवार हैं। कुल 15 पदों के लिए चुनाव होना है। इसमें पीजी विभाग से 2 प्रतिनिधियों का निर्विरोध निर्वाचन तय हो गया है, क्योंकि अपनी कैटेगरी से सिंगल उम्मीदवार हैं। हालांकि, इसकी आधिकारिक घोषणा 25 सितंबर को करने के साथ ही अन्य पदों के विजेताओं के साथ ही सर्टिफिकेट दिया जाएगा। 23 सितंबर को मुजफ्फरपुर सहित 14 जिलों में मतदान होगा। वहीं, 25 सितंबर को मतगणना के बाद परिणाम की घोषणा विश्वविद्यालय मुख्यालय पर होगी। 15 सीटों के लिए कुल 41 अभ्यर्थियों ने अपना नामांकन किया था। इसमें से एक उम्मीदवार स्क्रूटनी की प्रक्रिया में छंट गए। वहीं, 2 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र वापस ले लिया। रिटर्निंग आफिसर सह रजिस्ट्रार डॉ. अपराजिता कृष्णा ने मंगलवार को अंतिम सूची जारी कर दी। इसके साथ ही उम्मीदवारों ने फिजिकल व डिजिटल तरीके से अपना प्रचार शुरू कर दिया।

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR, DATE: 04.09.2024, PAGE-02

पीएचडी की मौखिक परीक्षा में उपस्थित रहेंगे सभी डीन

मुजफ्फरपुर| बीआरएबीयू में पीएचडी के लिए होने वाली मौखिक परीक्षा में सभी संकायाध्यक्षों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। कुलपति प्रो. डीसी राय के निर्देश पर परीक्षा विभाग की ओर से इसका नोटिफिकेशन जारी किया गया है। पहले पीएचडी वायवा में संकायाध्यक्ष उपस्थित नहीं होते थे। यह व्यवस्था पहली बार विश्वविद्यालय स्तर पर लागू की गई है। शोध गुणवत्ता में सुधार के लिए अब संकायाध्यक्षों की उपस्थिति भी अनिवार्य की गई है।

HINDUSTAN, MUZAFFAPUR, DATE:04.08.2024, PAGE-06

कैडेट करेंगे विवि परिसर की सफाई

मुजफ्फरपुर। बीआरएबीयू में कैंपस की सफाई और ग्रीन ऑडिट के लिए बनी टीम ने मंगलवार को पीजी विभागों का निरीक्षण किया। टीम में एलएनटी कॉलेज के प्राचार्य प्रो. अभय कुमार सिंह और मैथिली विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. इंदुधर झा शामिल थे। प्रो. सिंह ने बताया कि अभियान में कॉलेजों के एनसीसी व एनएसएस कैडेट शामिल होंगे।

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR
DATE:04.09.2024, PAGE-04

डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि के साथ बीआरएबीयू का करार

मुजफ्फरपुर. बीआरएबीयू व डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची के बीच एकेडमिक मुद्दों को लेकर करार हुआ है. दोनों विश्वविद्यालयों के कुलपति ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये. कुलपति प्रो दिनेश चंद्र राय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय रांची के कुलपति प्रो तपन शांडिल्य ने कहा कि इस समझौता का लाभ दोनों विश्वविद्यालयों के शिक्षक, शोधार्थी व छात्र-छात्राओं को मिलेगा. दोनों संस्थानों के सहयोग से शोध व एकेडमिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा. कैपेसिटी बिल्डिंग, स्टूडेंट व टीचर एक्सचेंज, विशेष पाठ्यक्रम व दोनों संस्थान मिलकर संयुक्त रूप से रिसर्च प्रोजेक्ट पर कार्य करेंगे. बता दें कि बीआरएबीयू दो दर्जन से अधिक विश्वविद्यालयों के साथ एकेडमिक मुद्दों पर करार हुआ है.

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR
DATE:04.09.2024, PAGE-04

बीआरएबीयू में ग्रीन ऑडिट शुरू, बदलेगी परिसर की सूरत

- नैक मूल्यांकन को देखते हुए विवि में गठित हुई है ग्रीन ऑडिट कमेटी

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बीआरएबीयू के परिसर को साफ-सुथरा व हरियालीयुक्त बनाने की दृष्टि से मंगलवार से ग्रीन ऑडिट शुरू हो गया. ग्रीन ऑडिट व पर्यावरण अंकेक्षण समिति के सदस्यों ने विवि परिसर का निरीक्षण किया. ललित नारायण तिरहुत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अभय सिंह, वनस्पति विज्ञान विभाग की अध्यक्ष प्रो रंजना,प्रो इंदुधर झा, डॉ नीलम व डॉ कौशल झा ने परिसर का जायजा लिया. इस दौरान विभिन्न जगहों पर फैले जंगली पौधे, गंदगी की सफाई के बिंदुओं को सूचीबद्ध किया. डॉ अभय ने बताया कि विवि के प्रशासनिक भवन, मानविकी संकाय व सोशल साइंस परिसर का निरीक्षण किया गया है. टीम ने निर्णय लिया है कि एकेडमिक स्टाफ कॉलेज की ओर से सफाई का कार्य शुरू होगा. इसके बाद विवि परिसर से लेकर सभी पीजी विभागों की सफाई होगी. इससे परिसर की सूरत बदलेगी. टीम ने निरीक्षण के बाद इसकी रिपोर्ट कुलपति को सौंपने का निर्णय लिया.

मंगलवार को विश्वविद्यालय में ग्रीन ऑडिट करते पदाधिकारी.

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR
DATE:04.09.2024, PAGE-04

सीनेट चुनाव : उम्मीदवारों की फाइनल सूची जारी

मुजफ्फरपुर. बीआरएबीयू की ओर से 23 सितंबर को होने वाले सीनेट चुनाव को लेकर उम्मीदवारों की फाइनल सूची जारी की गयी है. कुलसचिव की ओर से जारी सूची में 38 उम्मीदवारों का नाम शामिल किया गया है. शिक्षकों के 15 पदों पर 12 वर्ष बाद हो रहे चुनाव के लिए पीजी विभागों से 2 प्रतिनिधियों का निर्विरोध निर्वाचन तय हो गया है. अपनी कैटेगरी से एकल दावेदारी होने के कारण ये निर्विरोध हो गये हैं. इसकी आधिकारिक घोषणा 25 सितंबर को की जाएगी. 23 सितंबर को मुजफ्फरपुर सहित प्रदेश के 14 जिलों में मतदान होगा. इसके बाद 25 सितंबर को मतगणना के बाद परिणाम घोषित किया जाएगा. 41 अभ्यर्थियों ने अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया था. एक उम्मीदवार स्क्रूटनी में छंट गये. वहीं 2 ने नामांकन वापस ले लिया. उम्मीदवारों की फाइनल सूची जारी होने के बाद से उम्मीदवारों ने जनसंपर्क शुरू कर दिया है.

आधार से लिंक्ड होगी एबीसी आइडी, फोटो भी

मुजफ्फरपुर. बीआरएबीयू के विभिन्न कोर्स में दाखिला लेने वाले स्टूडेंट्स की एबीसी आइडी बनायी जा रही है. कॉलेजों व पीजी विभागों में स्टूडेंट्स की आइडी निर्माण का कार्य शुरू हो गया है. अबतक चार हजार से अधिक स्टूडेंट्स की आइडी बनायी जा चुकी है. स्नातक व पीजी कोर्स में नामांकित छात्र-छात्राओं के लिए तैयार हो रहे एबीसी आइडी को उनके आधार कार्ड से ही लिंक्ड किया जाएगा. एबीसी आइडी पर स्टूडेंट्स के आधार की ही फोटो रहेगी. कॉलेजों से आइडी बनाने में परेशानी की जानकारी दी गयी है. ऐसे में विवि से कार्यशाला आयोजित कर उसे दूर करने का निर्णय लिया गया है. आइडी में कुल 12 अंक होंगे. इसी पर छात्रों के क्रेडिट व प्रमाणपत्र प्रदर्शित होंगे.

पीएचडी की मौखिकी में उपस्थित रहेंगे सभी डीन

मुजफ्फरपुर. बीआरएबीयू में होने वाली पीएचडी की मौखिकी में अब सभी संकायाध्यक्षों को उपस्थित होना है. कुलपति प्रो डीसी राय के निर्देश पर इसकी अधिसूचना जारी की गयी है. कहा गया है कि अब तक पीएचडी वायवा में सभी संकायाध्यक्ष उपस्थित नहीं होते थे. नयी व्यवस्था के तहत सभी संकायाध्यक्षों को इसमें अनिवार्य रूप से उपस्थित रहना है. इसकी सूचना उन्हें पहले दी जाएगी.